



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग III—खण्ड 4

PART III—Section 4

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 214]

नई दिल्ली, मंगलवार, दिसम्बर 30, 2003/पौष 9, 1925

No. 214]

NEW DELHI, TUESDAY, DECEMBER 30, 2003/PAUSA 9, 1925

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

अधिसूचना

मुम्बई, 30 दिसम्बर, 2003

भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड

(जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन)
विनियम, 2003

फा.सं. भाप्रविबो/विकावि/नीप्र/24418/2003.—बोर्ड, भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड अधिनियम, 1992 (1992 का 15) की धारा 30 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए एतद्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 का संशोधन के लिए निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात् :—

- (i) इन विनियमों को भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003 कहा जा सकेगा ।
(ii) वे राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।
- भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम, 2002 में, विनियम 5 के पश्चात्, निम्नलिखित विनियम अंतःस्थापित किया जायेगा, अर्थात् -

" लंबित जाँच का अंतरण

5क.(1) भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003 के प्रारंभ की तारीख के ठीक पहले किसी जाँच अधिकारी के समक्ष लंबित भारतीय

प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) विनियम, 1992 के किन्हीं उपबंधों के अतिक्रमण की बाबत कोई जाँच, अतिक्रमण, जिसे भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (स्टॉक दलाल और उप-दलाल) (दूसरा संशोधन) विनियम, 2003 के उपबंधों के अनुसरण में अधिनियम के अध्याय VI के अधीन न्यायनिर्णयित किया जा सकता है की बाबत जाँच होते हुए, को अध्यक्ष या सदस्य द्वारा अधिनियम की धारा 153 के अधीन नियुक्त न्यायनिर्णायक अधिकारी को लिखित आदेश द्वारा अंतरित की जा सकेगी।

(2) जहाँ कोई मामला जाँच अधिकारी से न्यायनिर्णायक अधिकारी को उप-विनियम (1) के अधीन अंतरित किया गया है -

- (क) जाँच अधिकारी, यथाशीघ्र, ऐसे अंतरण के पश्चात् न्यायनिर्णायक अधिकारी को ऐसी जाँच कार्यवाहियों के अभिलेख अग्रेषित करेगा; और
- (ख) न्यायनिर्णायक अधिकारी, ऐसे अभिलेखों की प्राप्ति पर, मामले में कार्यवाही करने के लिए अग्रसर होगा, जहाँ तक हो सके, उसी रीति में जैसी भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (न्यायनिर्णायक अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्तियाँ अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) नियम, 1995 के साथ पठित अध्याय VI के अधीन न्यायनिर्णायक कार्यवाहियों के मामले में है।"

ज्ञानेन्द्र नाथ बाजपेयी, अध्यक्ष

[विज्ञापन-III/IV/16/2003-असाधा।]

पाद टिप्पण :-

1. भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) विनियम 2002, का.आ.सं. 1045 (अ), 27.9.2002 को भारत के राजपत्र में अधिसूचित हुए थे।
2. ये तत्पश्चात् भारतीय प्रतिभूति और विनियम बोर्ड (जांच अधिकारी द्वारा जांच करने और शास्ति अधिरोपित करने के लिए प्रक्रिया) (संशोधन) विनियम, 2003 द्वारा, फा.सं. भाप्रविबो/विधि/डीओपी/22093/2003, 27 नवंबर 2003 को संशोधित हुए थे।

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

NOTIFICATION

Mumbai, the 30th December, 2003

SECURITIES AND EXCHANGE BOARD OF INDIA

(Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty)
(Second Amendment) Regulations, 2003

F.No. SEBI/LAD/DOP/24418/2003.—In exercise of the powers conferred by Section 30 of the Securities and Exchange Board of India Act, 1992 (15 of 1992), the Board hereby makes the following regulations to amend the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002, namely :—

1. (i) These regulations may be called the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Second Amendment) Regulations, 2003.
- (ii) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002, after regulation 5, the following regulation shall be inserted, namely –

“Transfer of pending enquiry

5A.(1) Any enquiry in respect of violation of any provisions of the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) Regulations, 1992 pending before any enquiry officer immediately before the date of commencement of the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 2003, being an enquiry in respect of a violation which can be adjudicated under Chapter VIA of the Act pursuant to the provisions of the Securities and Exchange Board of India (Stock Brokers and Sub-Brokers) (Second Amendment) Regulations, 2003 may be transferred by the Chairman or the member by an order in writing to an adjudicating officer appointed under section 15I of the Act.

- (2) Where any matter has been transferred from an enquiry officer to an adjudicating officer under sub-regulation (1)-
- (a) the enquiry officer shall, as soon as may be, after such transfer forward the records of such enquiry proceedings to the adjudicating officer; and
- (b) the adjudicating officer may, on receipt of such records, proceed to deal with the matter, so far as may be, in the same manner as in the case of adjudicating proceedings under Chapter VIA read with the Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Inquiry and Imposing Penalties by Adjudicating Officer) Rules, 1995.”

G. N. BAJPAI, Chairman

[ADVT-III/IV/16/2003-Exty.]

Foot Note:-

1. Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) Regulations, 2002, were notified in the Gazette of India on 27.9.2002 vide S.O. No. 1045(E).
2. It were subsequently amended by Securities and Exchange Board of India (Procedure for Holding Enquiry by Enquiry Officer and Imposing Penalty) (Amendment) Regulations, 2003 on 27th November, 2003 vide F. No. SEBI/LAD/DOP/22093/2003.